उत्तर प्रदेश में गन्ना पेराई शुरू

देश के दूसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में आखिर मिलों ने गन्ने की पेराई की तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुजफ्फरनगर जिले की निजी क्षेत्र की छह मिलों ने गन्ने की पैराई शुरू करने की तिथि घोषित की है। दो मिलें पहले ही पेराई शुरू कर चुकी हैं।

है जबकि दो टूकड़ा काजू का भाव मांग के मुकाबले ज्यादा हो ह।

उत्तर प्रदेश में गन्ने की पेराई शुरू की मिलों ने

गन्ना मूल्य पर गतिरोध खत्म होने के बावजूद किसानों का आंदोलन जारी

प्रेट्र • मुजेफरनगर

देश के दूसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में आखिर मिलों ने गन्ने की पेराई की तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुजफ्फरनगर जिले की निजी क्षेत्र की छह मिलों ने गन्ने की पैराई शुरू करने की तिथि घोषित की है। दो मिलें पहले ही पेराई शुरू कर चुकी हैं। गन्ने के खरीद मूल्य पर गतिरोध पैदा होने के कारण पेराई शुरू होने में एक माह से ज्यादा देरी हो चुकी है। मिलें सरकार द्वारा तय पिछले साल के बराबर गन्ना मूल्य देने को राजी हो गई हैं।

जिला समन्वयक अधिकारी राजेश्वर यादव के अनुसार दो मिलों ने गन्ने की पेराई पहले ही शुरू कर दी है। जबकि बाकी मिलों ने घोषणा की है कि वे इस हफ्ते के अंत तक पेराई शुरू कर देंगी। गन्ना मूल्य पर एक हफ्ते तक चले गतिरोध के बाद उत्तर प्रदेश की निजी क्षेत्र की चीनी मिल संचालकों ने रविवार को 280 रुपये प्रति क्विंटल पर गन्ना मूल्य चुकाने के लिए रजामंदी दी। हालांकि मिलों

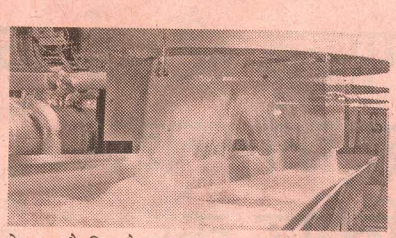

ने कहा है कि मौजूदा मूल्य व्यावसायिक दृष्टि से व्यावहारिक नहीं है। दूसरी ओर भारतीय किसान यूनियन ने गन्ना मूल्य का विरोध जारी रखा है। यूनियन ने राज्य सरकार और मिलों के बीच बनी सहमति का भी विरोध किया है। यूनियन का धरना जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर सातवें दिन मंगलवार को भी जारी रहा। कार्यकताएं का कहना है कि वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पांच दिसंबर को प्रदर्शन करेंगे। यूनियन गन्ने का मूल्य बढ़ाने की मांग कर रही है। यूनियन के प्रमुख नरेश टिकैत ने किसानों से अपील की है कि वे मिलों को गन्ने की सप्लाई न करें। उधर, पुलिस ने कहा है कि मंसूरपुर क्षेत्र में सड़कें जाम करने के लिए राष्ट्रीय लोकदल के दस कार्यकर्ताओं के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इनमें आरएलडी के जिलाध्यक्ष संजय राठी का भी नाम शामिल है।

एमपी में चीनी के रिकॉर्ड उत्पादन का अनुमान

मौसम अनुकूल रहने से 2.5 लाख टन चीनी उत्पादन संभव

बिजनेस भास्कर • इंदौर

गन्ना की फसल के अनुकूल मौसम होने और इसकी अच्छी पैदावार के कारण इस वर्ष प्रदेश की चीनी मिलों में चीनी का रिकॉर्ड उत्पादन हो सकता है। प्रदेश में औसतन दो लाख टन चीनी का उत्पादन होता है। लेकिन इस वर्ष 2.5 लाख टन से अधिक चीनी उत्पादन होने की संभावना है।, प्रदेश में ज्यादातर चीनी मिलों में पिराई कार्य शुरू हो चुका है। इस वर्ष गन्ने की अच्छी पैदावार होने के कारण पिराई सत्र भी लंबा हो सकता है। प्रदेश में 14 चीनी मिलें हैं, जिनमें से दो में इस वर्ष पहली बार उत्पादन होगा। चीनी की रिकवरी भी अच्छी आ रही है।

गन्ना विशेषज्ञ और पूर्व निदेशक डॉ. साधूराम शर्मा ने कहा कि इस बार ज्यादा बारिश होने के कारण खेतों में लंबे समय तक नमी बनी रही। जिसके कारण शुरुआत में गन्ना में मिठास कम थी लेकिन अब दिन में तेज धूप और रात में सर्दी के कारण मिठास बढ़ गई है। प्रदेश की विभिन्न चीनी मिलों में पिराई सत्र 70 से 90 दिन का होता है। लेकिन इस वर्ष अच्छी पैदावार और बेहतर रिकवरी के कारण इस वर्ष रिकॉर्ड मात्रा में चीनी उत्पादन हो सकता है। गन्ने में रिकवरी 9.5 से 10 फीसदी तक आ रही है।

मध्य प्रदेश शुगर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश की चार शुगर मिलों के प्रमुख हेमंत सोनी ने कहा कि निश्चित रूप से इस बार प्रदेश में अधिक शक्कर उत्पादन होगा। हमने अभी अपनी ज्यादातर मिलों में उत्पादन शुरू कर दिया है जबकि एक तुमडा मिल में 10 दिसंबर से उत्पादन शुरू हो जाएगा। अभी हम गन्ना किसानों को 221 से 230 रुपये क्विंटल का भाव दे रहे हैं। गन्ना की गुणवत्ता बढ़ने पर हम किसानों को अतिरिक्त मूल्य देंगे।

बिजनेस भास्कर
५।१२।१३